मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY–006

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम.ए.जे.वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.जे.वाई.-006 : गणित, ग्रहण, वेध एवं यन्त्रादि विचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।* $3\times20=60$

1. अंकगणित एवं बीजगणित का परिचय दीजिए।
2. गोलीया त्रिकोणमिति के विषय-वस्तु का विस्तृत निरूपण कीजिए।
3. ग्रहण के स्वरूप एवं भेद का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. चन्द्रग्रहण का परिचय देते हुए उसके विभिन्न अवयवों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
5. सूर्यग्रहण के प्रयोग में आने वाले नति एवं लम्बन संस्कार का वर्णन कीजिए।
6. चन्द्रशृङ्गोन्नति को आधार बनाकर एक निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ख

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

1. अंकगणित में वर्णित धनर्णषड्विध को स्पष्ट कीजिए।
2. वैदिक गणित में प्रयुक्त प्रमुख सूत्रों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
3. भूभा का परिचय देते हुए उसके साधन का सूत्र बताइए।
4. वलन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उसके भेदों का निरूपण कीजिए।
5. ग्रहण के फल का निरूपण कीजिए।
6. कालांश को परिभाषित करते हुए ग्रहों के कालांशों को सप्रमाण प्रस्तुत कीजिए।
7. 'रोहिणी शकट भेद' का निरूपण सप्रमाण कीजिए।

× × × × ×